कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष: 16 अंक : 209 कानपुर, सोमवार 20 जनवरी 2025 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य: 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

पशुओं का आहार प्रबंधन विषयक प्रशिक्षण का समापन

कानपुर । सीएसए द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा अनुसूचित जाति उप योजना के अंतर्गत चयनित ग्राम खलकपुर में आयोजित दो दिवसीय कृषक प्रशिक्षण का समापन हुआ। जिसके अंतर्गत किसानों को केंद्र के पशुपालन वैज्ञानिक डॉक्टर शशिकांत ने बताया कि ठंड के मौसम में अगर पशुओं के खान-पान एवं प्रबंधन पर ध्यान न दिया जाए तो नवजातों की मृत्यु दर बढ़ जाती है। क्योंकि सर्दी के मौसम में अंदर एवं बाहर के तापमान में काफी अंतर होता है, ऐसी स्थिति में ठंड के मौसम में अन्य मौसम की अपेक्षा पशु की संपूर्ण आहार की आवश्यकता का 20त अधिक दाना देना चाहिएद्ध जनवरी के मौसम में काफी ठंड पड़ती है लेकिन फरवरी के महीने तक सावधान रहना पड़ता है ड फरवरी के मौसम तक पशुओं को अच्छी मात्रा में पौष्टिक आहार खिलाना चाहिए। जिसमें सभी पौष्टिक तत्व जैसे कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, वसा, जल , खनिज लवण एवं विटामिन उचित मात्रा में होना चाहिए।डॉश कांत ने बताया कि यह सभी पोषक तत्व हरे चारे जैसे- जाड़े में बरसीम, लूसर्न , जई में पाए जाते हैंद्ध प्रोटीन एवं वसा की पूर्ति के लिए लगभग सभी प्रकार की खलिया तथा अनाज के दाने को पशु आहार में प्रयोग करना चाहिए। विटामिन तो हरे चारे से मिल जाती है लेकिन खनिज के लिए खड़िया गेहूं का चोकर या बाजार का प्रयोग करना चाहिएद्ध डॉक्टर कांत ने बताया कि सर्दियों में नवजात बच्चों को बहुत देखभाल की आवश्यकता होती है।अगर इसमें लापरवाही बढ़ती गई तो डायरिया एवं निमोनिया का संक्रमण नवजात में बहुत तेजी से फैलता है।जिससे बच्चों की मृत्यु संभावित है। ऐसी स्थिति में बच्चों के सुबह-शाम बोरी से ढक कर रखना चाहिए डॉक्टर निमिषा अवस्थी ने कृषक महिलाओं को बताया कि इस समय पर्याप्त मात्रा में वसुआ मौजूद है जिनका सेवन करने से महिलाओं में रक्त अल्पता की कमी को दूर किया जा सकता है।डॉ. राजेश राय ने बताया कि किसान भाई अपने पशुओं को स्वच्छ एवं ताजा पानी भरपूर मात्रा में पिलाए जिससे पशुओं में पानी की कमी न होने पाए। इस मौके पर गांव के प्रधान देवी प्रसाद सहित अन्य किसान मौजूद रहे।

आज
कानपुर
20 जनवरी 2025
5

कड़ाके की ठंड में दुधारू पशुओं के खान पान पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता

ठंड के मौसम में पशुओं का आहार प्रबंधन विषयक प्रशिक्षण का हुआ समापन

(आज समाचार सेवा)
कानपुर, 19 जनवरी। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय से संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर की ओर अनुसूचित जाति उप योजना के अंतर्गत चयनित ग्राम खलकपुर में आयोजित दो दिवसीय कृषक प्रशिक्षण का समापन हुआ। कार्यक्रम में किसानों को केंद्र के पशुपालन वैज्ञानिक डॉ. शशिकांत ने बताया कि ठंड के मौसम में अगर पशुओं के खान-पान एवं प्रबंधन पर ध्यान न दिया जाए तो नवजातों की मृत्यु दर बढ़ जाती है। क्योंकि सर्दी के मौसम में अंदर एवं बाहर के तापमान में काफी अंतर होता है, ऐसी स्थिति में ठंड के मौसम में अन्य मौसम की अपेक्षा पशु की संपूर्ण आहार की आवश्यकता का 20 प्रतिशत अधिक दाना देना चाहिए। जनवरी के मौसम में काफी ठंड पड़ती है, लेकिन फरवरी के महीने तक सावधान रहना पड़ता है। फरवरी के मौसम तक पशुओं को अज्छी मात्रा में पौष्टिक आहार खिलाना चाहिए। जिसमें सभी पौष्टिक तत्व जैसे कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, वसा, जल , खनिज लवण एवं विटामिन उचित मात्रा में होना चाहिए। डॉ शशिकांत ने बताया कि यह सभी पोषक तत्व हरे चारे जैसे- जाड़े में बरसीम, लूसर्न, जई में पाए जाते हैं। प्रोटीन एवं वसा की पूर्ति के लिए लगभग सभी प्रकार की खलिया तथा अनाज के दाने को पशु आहार में प्रयोग करना चाहिए। विटामिन तो हरे चारे से मिल जाती है लेकिन खनिज के लिए खड़िया, गेहूं का चोकर या बाजार का प्रयोग करना चाहिए। डॉ शशि कांत ने बताया कि सर्दियों में नवजात बज्जों को बहुत देखभाल की आवश्यकता होती है। अगर इसमें लापरवाही बढ़ती गई तो डायरिया एवं निमोनिया का संक्रमण नवजात में बहुत तेजी से फैलता है। जिससे छोटे पशुओं की मृत्यु संभावित है। ऐसी स्थिति में बज्जों के सुबह-शाम बोरी से ढक कर रखना चाहिए। डॉ. राजेश राय ने बताया कि किसान भाई अपने पशुओं को स्वज्छ एवं ताजा पानी भरपूर मात्रा में पिलाए जिससे पशुओं में पानी की कमी न होने पाए। इस मौके पर गांव के प्रधान देवी प्रसाद सहित अन्य किसान मौजूद रहे।

प्रशिक्षण शिविर में मौजूद वैज्ञानिक व अन्य।

कानपुर

सर्द मौसम में पशुओं के आहार प्रबंधन प्रशिक्षण का समापन।

आज़ाद समाचार JANUARY 20, 2025 1 MIN READ

आ स. संवाददाता

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा अनुसूचित जाति उप योजना के अंतर्गत चयनित ग्राम खलकपुर में आयोजित दो दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ।

किसानों को केंद्र के पशुपालन वैज्ञानिक डा. शशिकांत ने बताया कि ठंड के मौसम में अगर पशुओं के खान-पान प्रबंधन पर ध्यान न दिया जाए तो पशुओं की मृत्यु दर बढ़ जाती है। सर्दी के मौसम में अंदर एवं बाहर के तापमान में काफी अंतर होता है, ऐसी स्थिति में ठंड के मौसम में अन्य मौसम की अपेक्षा पशु की संपूर्ण आहार की आवश्यकता से बीस प्रतिशत अधिक दाना देना चाहिए।

जनवरी के मौसम में काफी ठंड पड़ती है, लेकिन फरवरी के महीने में भी सावधान रहना पड़ता है। फरवरी के महीने तक पशुओं को अच्छी मात्रा में पौष्टिक आहार खिलाना चाहिए। जिसमें सभी पौष्टिक तत्व जैसे कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, वसा, जल, खनिज लवण एवं विटामिन उचित मात्रा में होने चाहिए।

डॉ. शशिकांत ने बताया कि यह सभी पोषक तत्व हरे चारे जैसे बरसीम, लूसर्न, जई में पाए जाते हैं। प्रोटीन एवं वसा की पूर्ति के लिए लगभग सभी प्रकार की खलियां तथा अनाज के दानो को पशु आहार में सम्मिलित करना चाहिए। विटामिन तो हरे चारे से मिल जाती है लेकिन खनिज के लिए खड़िया गेहूं का चोकर या बाजरा का प्रयोग करना चाहिए।

डॉ. शशिकांत ने बताया कि सर्दियों में पशुओं के नवजात बच्चों को बहुत देखभाल की आवश्यकता होती है।अगर इसमें लापरवाही बरती गई, तो डायरिया एवं निमोनिया का संक्रमण नवजात बच्चों में बहुत तेजी से फैलता है। जिससे बच्चों की मृत्यु हो जाती है। ऐसी स्थिति में बच्चों को सुबह-शाम बोरी से ढक कर रखना चाहिए।

कृषि वैज्ञानिक डॉ. राजेश राय ने बताया कि किसान भाई अपने पशुओं को स्वच्छ एवं ताजा पानी भरपूर मात्रा में पिलाते रहे, जिससे पशुओं में पानी की कमी न होने पाए। इस मौके पर गांव के प्रधान देवी प्रसाद सहित अन्य किसान मौजूद रहे।

वर्ष : 17 अंक : 020 लखनऊ सोमवार, 20 जनवरी 2025 पृष्ठ : 12, मूल्य: ₹4/-

www.vishwavarta.com

विश्ववार्ता

सच्ची ख़बर, पैनी नज़र

कानपुर/उन्नाव वार्ता

नवरी 2025

पशुओं का गलत आहार प्रबंधन मृत्यु दर को बढ़ावा

विश्ववार्ता संवाददाता

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा अनुसूचित जाति उप योजना के अंतर्गत चयनित ग्राम खलकपुर में आयोजित दो दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ।

किसानों को केंद्र के पशुपालन वैज्ञानिक डा. शशिकांत ने बताया कि ठंड के मौसम में अगर पशुओं के खान-पान प्रबंधन पर ध्यान न दिया जाए तो पशुओं की मृत्यु दर बढ़ जाती है। सर्दी के मौसम में अंदर एवं बाहर के तापमान में काफी अंतर होता है, ऐसी स्थिति में ठंड के मौसम में अन्य मौसम की अपेक्षा पशु की संपूर्ण आहार की आवश्यकता से बीस प्रतिशत अधिक दाना देना चाहिए।

जनवरी के मौसम में काफी ठंड पड़ती है, लेकिन फरवरी के महीने में भी सावधान रहना पड़ता है। फरवरी के महीने तक पशुओं को अच्छी मात्रा में पौष्टिक आहार खिलाना चाहिए। जिसमें सभी पौष्टिक तत्व जैसे कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, वसा, जल, खनिज लवण एवं विटामिन उचित मात्रा में होने चाहिए।

डॉ. शशिकांत ने बताया कि यह सभी पोषक तत्व हरे चारे जैसे बरसीम, लूसर्न, जई में पाए जाते हैं। प्रोटीन एवं वसा की पूर्ति के लिए लगभग सभी प्रकार की खलियां तथा अनाज के दानो को पशु आहार में सम्मिलित करना चाहिए। विटामिन तो हरे चारे से मिल जाती है लेकिन खनिज के लिए खड़िया गेहूं का चोकर या बाजरा का प्रयोग करना चाहिए।

डॉ. शशिकांत ने बताया कि सर्दियों में पशुओं के नवजात बच्चों को बहुत देखभाल की आवश्यकता होती है।अगर इसमें लापरवाही बरती गई, तो डायरिया एवं निमोनिया का संक्रमण नवजात बच्चों में बहुत तेजी से फैलता है। जिससे बच्चों की मृत्यु हो जाती है। ऐसी स्थिति में बच्चों को सुबह-शाम बोरी से ढक कर रखना चाहिए।

कृषि वैज्ञानिक डॉ. राजेश राय ने बताया कि किसान भाई अपने पशुओं को स्वच्छ एवं ताजा पानी भरपूर मात्रा में पिलाते रहे, जिससे पशुओं में पानी की कमी न होने पाए। इस मौके पर गांव के प्रधान देवी प्रसाद सहित अन्य किसान मौजूद रहे।

Titel-code: UPHIN-48963
!! श्री शिवाय नमस्तुभ्यम्!!
E-mailjksingh.hardoi@gmail.com

सत्य का असर
समाचार पत्र
सम्पादक
जितेन्द्र सिंह पटेल
99569834016
ऑफिस 745 उत्तम विहार बैरी कल्यानपुर कानपुर नगर 208017

पत्रांक.....
दिनांक......................
Monday 20th January 2025
jksingh.hardoi@gmail.com
website: ?????? ???? 9956834016

एससीएसपी योजनांतर्गत ठंड के मौसम में पशुओं का आहार प्रबंधन विषयक प्रशिक्षण का हुआ समापन

पत्रकार जितेंद्र सिंह पटेल सत्य का असर समाचार पत्र कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा अनुसूचित जाति उप योजना के अंतर्गत चयनित ग्राम खलकपुर में आयोजित दो दिवसीय कृषक प्रशिक्षण का समापन हुआ। जिसके अंतर्गत किसानों को केंद्र के पशुपालन वैज्ञानिक डॉक्टर शशिकांत ने बताया कि ठंड के मौसम में अगर पशुओं के खान-पान एवं प्रबंधन पर ध्यान न दिया जाए तो नवजातों की मृत्यु दर बढ़ जाती है। क्योंकि सर्दी के मौसम में अंदर एवं बाहर के तापमान में काफी अंतर होता है, ऐसी स्थिति में ठंड के मौसम में अन्य मौसम की अपेक्षा पशु की संपूर्ण आहार की आवश्यकता का 20% अधिक दाना देना चाहिए। जनवरी के मौसम में काफी ठंड पड़ती है लेकिन फरवरी के महीने तक सावधान रहना पड़ता है । फरवरी के मौसम तक पशुओं को अच्छी मात्रा में पौष्टिक आहार खिलाना चाहिए। जिसमें सभी पौष्टिक तत्व जैसे कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, वसा, जल , खनिज लवण एवं विटामिन उचित मात्रा में होना चाहिए। डॉ० कांत ने बताया कि यह सभी पोषक तत्व हरे चारे जैसे- जाड़े में बरसीम, लूसर्न , जई में पाए जाते हैं। प्रोटीन एवं वसा की पूर्ति के लिए लगभग सभी प्रकार की खलिया तथा अनाज के दाने को पशु आहार में प्रयोग करना चाहिए। विटामिन तो हरे चारे से मिल जाती है लेकिन खनिज के लिए खड़िया गेहूं का चोकर या बाजार का प्रयोग करना चाहिए। डॉक्टर कांत ने बताया कि सर्दियों में नवजात बच्चों को बहुत देखभाल की आवश्यकता होती है।अगर इसमें लापरवाही बढ़ती गई तो डायरिया एवं निमोनिया का संक्रमण नवजात में बहुत तेजी से फैलता है।जिससे बच्चों की मृत्यु संभावित है। ऐसी स्थिति में बच्चों के सुबह-शाम बोरी से ढक कर रखना चाहिए डॉक्टर निमिषा अवस्थी ने कृषक महिलाओं को बताया कि इस समय पर्याप्त मात्रा में बथुआ मौजूद है जिनका सेवन करने से महिलाओं में रक्त अल्पता की कमी को दूर किया जा सकता है।डॉ. राजेश राय ने बताया कि किसान भाई अपने पशुओं को स्वच्छ एवं ताजा पानी भरपूर मात्रा में पिलाए जिससे पशुओं में पानी की कमी न होने पाए। इस मौके पर गांव के प्रधान श्री देवी प्रसाद सहित अन्य किसान मौजूद रहे।

News Banner Maker

सत्य का असर समाचार पत्र

Monday 20th January 2025 | jksingh.hardoi@gmail.com | website: ?????? ???? 9956834016

एससीएसपी योजनांतर्गत ठंड के मौसम में पशुओं का आहार प्रबंधन विषयक प्रशिक्षण का हुआ समापन

पत्रकार जितेंद्र सिंह पटेल सत्य का असर समाचार पत्र कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा अनुसूचित जाति उप योजना के अंतर्गत चयनित ग्राम खलकपुर में आयोजित दो दिवसीय कृषक प्रशिक्षण का समापन हुआ। जिसके अंतर्गत किसानों को केंद्र के पशुपालन वैज्ञानिक डॉक्टर शशिकांत ने बताया कि ठंड के मौसम में अगर पशुओं के खान-पान एवं प्रबंधन पर ध्यान न दिया जाए तो नवजातों की मृत्यु दर बढ़ जाती है। क्योंकि सर्दी के मौसम में अंदर एवं बाहर के तापमान में काफी अंतर होता है, ऐसी स्थिति में ठंड के मौसम में अन्य मौसम की अपेक्षा पशु की संपूर्ण आहार की आवश्यकता का 20% अधिक दाना देना चाहिए। जनवरी के मौसम में काफी ठंड पड़ती है लेकिन फरवरी के महीने तक सावधान रहना पड़ता है । फरवरी के मौसम तक पशुओं को अच्छी मात्रा में पौष्टिक आहार खिलाना चाहिए। जिसमें सभी पौष्टिक तत्व जैसे कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, वसा, जल , खनिज लवण एवं विटामिन उचित मात्रा में होना चाहिए। डॉ० कांत ने बताया कि यह सभी पोषक तत्व हरे चारे जैसे- जाड़े में बरसीम, लूसर्न , जई में पाए जाते हैं। प्रोटीन एवं वसा की पूर्ति के लिए लगभग सभी प्रकार की खलिया तथा अनाज के दाने को पशु आहार में प्रयोग करना चाहिए। विटामिन तो हरे चारे से मिल जाती है लेकिन खनिज के लिए खड़िया गेहूं का चोकर या बाजार का प्रयोग करना चाहिए। डॉक्टर कांत ने बताया कि सर्दियों में नवजात बच्चों को बहुत देखभाल की आवश्यकता होती है।अगर इसमें लापरवाही बढ़ती गई तो डायरिया एवं निमोनिया का संक्रमण नवजात में बहुत तेजी से फैलता है।जिससे बच्चों की मृत्यु संभावित है। ऐसी स्थिति में बच्चों के सुबह-शाम बोरी से ढक कर रखना चाहिए डॉक्टर निमिषा अवस्थी ने कृषक महिलाओं को बताया कि इस समय पर्याप्त मात्रा में बथुआ मौजूद है जिनका सेवन करने से महिलाओं में रक्त अल्पता की कमी को दूर किया जा सकता है।डॉ. राजेश राय ने बताया कि किसान भाई अपने पशुओं को स्वच्छ एवं ताजा पानी भरपूर मात्रा में पिलाए जिससे पशुओं में पानी की कमी न होने पाए। इस मौके पर गांव के प्रधान श्री देवी प्रसाद सहित अन्य किसान मौजूद रहे।